

एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है मांग

आज क समय म एंवएशन इडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो,एयरपोर्ट से जुड़े कोर्स आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आपको एयरपोर्ट पर कई भूमिकाओं में काम करने का मौका मिल सकता है जिससे आप अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आप ग्राउंड स्टाफ, केबिन क़ू, कस्टमर सर्विस जैसे कई क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ को एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद करने के लिए तैनात की जाती है। इनका काम होता है यात्रियों का चेक-इन करवाना, बोर्डिंग पास देना और यात्रा से जुड़ी हर आवश्यक जानकारी को बताना। किसी भी यात्री को फ्लाइट के टाइम, गेट नंबर समेत किसी भी चीज से जुड़ी जानकारी चाहिए होती है, तो वे ग्राउंड स्टाफ को संपर्क कर सकते हैं।

केबिन क़ू
केबिन क़ू फ्लाइट के अंदर काम करते हैं। वह यात्रियों की सुखा और सुविधा पर फोकस करते हैं। फ्लाइट उड़ने से पहले वह यात्रियों को सारी जानकारी शेयर करते हैं। इसके साथ ही वह यात्रा के दौरान खाना भी सर्व करते हैं।



एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ
एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ का काम एयरपोर्ट के संचालन को सही तरह से चलाना है। ये फ्लाइट के टेक ऑफ और लैंडिंग की प्लानिंग करते हैं। साथ ही वह यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुरक्षित तरीके से हो जाए।

एयरपोर्ट पर मौजूद सिक्योरिटी स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते हैं। इनका मुख्य काम यात्रियों और उनके सामान की जांच करना होता है ताकि कोई भी ऐसा सामान फ्लाइट में न जाए जो और यात्रियों के लिए खतरा बन सके।

टेक्निकल जॉब्स
टेक्निकल जॉब्स में वे लोग आते हैं, जो

तकनीक से जुड़ा काम सभालते हं. याना कि इंजीनियर और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी। इंजीनियर फ्लाइट की मरम्मत का ध्यान रखता है ताकि एयरक्राफ्ट सुरक्षित रहे। वहीं एटीसी अधिकारी हवा में उड़ रहे विमानों को कंट्रोल करते हैं और सुरक्षित तरीके से टेक ऑफ और लैंडिंग करवाते हैं।

एयरपोर्ट पर नौकरी पाने के कई तरीके होते हैं। एयरलाइन कंपनियां अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वैकेंसी निकालती हैं, जहां से ऑनलाइन आवेदन कर आप इंटरव्यू और ट्रेनिंग के बाद नियुक्त होते हैं। वहीं सरकारी नौकरियों के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी के तहत एजाम और इंटरव्यू के जरिए हायरिंग होती है। इसके अलावा थर्ड पार्टी कंपनियां भी ग्राउंड स्टाफ जैसी पोस्ट के लिए करार करती हैं। पर हायर करती हैं, जबकि सिक्योरिटी जॉब के लिए स्पष्ट जैसी सरकारी परीक्षा पास करनी होती है।

एयरपोर्ट पर नौकरी के लिए छात्र किसी भी स्ट्रीम से 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद एविएशन से जुड़े कोर्स जैसे डिप्लोमा इन एविएशन हॉस्पिटैलिटी, एयरपोर्ट मैनेजमेंट या ग्राउंड स्टाफ सर्विस कोर्स करना अच्छा होता है। साथ ही इस फील्ड में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, कॉन्फिडेंस और अच्छी पर्सनैलिटी होना बहुत आवश्यक है।

मेडिकल के क्षेत्र में ये कोर्स कर पायें अच्छा वेतन

अगर आप मेडिकल फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, क्षेत्र की बारीकियां सीखना चाहते हैं पर एमबीबीएस नहीं कर सकते तो तो ये शॉर्ट टर्म मेडिकल कोर्स कर अच्छा वेतन पा सकते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए आजकल नौकरियों की कोई कमी नहीं है।

1 सर्टिफिकेट इन फर्स्ट एड (6 महीने)
यह चिकित्सा क्षेत्र का सबसे छोटा और बुनियादी कोर्स है। इसमें आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार देने की ट्रेनिंग दी जाती है। दुर्घटनाओं, चोट लगने या अचानक बीमार पड़ने पर डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले दी जाने वाली सहायता इसमें सिखाई जाती है। रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं और कई सरकारी संस्थान मेडिकल से जुड़ा यह कोर्स कराते हैं।

2 डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी
अगर आप लैब और टेस्टिंग में रुचि रखते हैं तो डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी अच्छा विकल्प हो सकता है। यह कोर्स 2 साल का होता है। इसमें खून, पेशाब और



अन्य शारीरिक नमूनों की जांच करना सिखाया जाता है। आज के समय में बिना लैब रिपोर्ट के कोई भी इलाज संभव नहीं है, इसलिए इस क्षेत्र में नौकरियों की कमी नहीं है।

डायलिसिस टेक्नीशियन की मांग बहुत बढ़ी है। यह कोर्स कम समय में पूरा किया जा सकता है। इसमें स्ट्रुडेंट्स को डायलिसिस मशीन ऑपरेट करने और मरीजों की देखभाल करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकारी और निजी, दोनों तरह के हॉस्पिटल में इसके बाद अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिल जाती है।

4 सर्टिफिकेट इन नर्सिंग असिस्टेंट (1 साल)
नर्सिंग क्षेत्र में जाने का यह सबसे छोटा रास्ता है। 1 साल के इस कोर्स में मरीजों की बुनियादी देखभाल, इंजेक्शन लगाना, बैंडेज करना और डॉक्टर की सहायता करना सिखाया जाता है। यह कोर्स उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो सेवा भाव के साथ चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ना चाहते हैं। यह नर्सिंग कोर्स आपको जल्द से जल्द नौकरी दिलवा सकता है।

5 डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी/एक्स-रे टेक्नोलॉजी (2 साल)
एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसे डायग्नोस्टिक टूल्स के बिना मॉडर्न मेडिकल इंडस्ट्री अधूरी है। 2 साल का यह मेडिकल डिप्लोमा कोर्स आपको रेडियोलॉजी विभाग में कुशल टेक्नीशियन बना सकता है। छोटे क्लीनिक से लेकर बड़े मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल तक, हर जगह रेडियोलॉजिस्ट/एक्स-रे टेक्नीशियन की काफी डिमांड रहती है! मेडिकल डिप्लोमा कोर्स का करियर स्कोप।

यूपीएससी की तैयारी इस प्रकार करें

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) यानी की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पाने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। परीक्षा में अच्छा स्कोर पाने के लिए स्ट्रुडेंट्स को खूब किताबें भी पढ़नी पड़ती हैं। इसके लिए छात्र एनसीईआरटी की किताबें भी पढ़ते हैं। माना जाता है कि एनसीईआरटी की किताबों से इन परीक्षाओं का आधार तैयार होता है। जिससे उम्मीदवारों को सभी विषय के बेसिक को समझने में आसानी होती है। हालांकि यूपीएससी की परीक्षा के लिए छात्रों को अलग-अलग तरह की किताबें पढ़नी पड़ती हैं। ऐसे में इतनी सारी किताबें ले पाना हर उम्मीदवार के बस की बात नहीं है।

इसलिए अगर आप भी यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए एनसीईआरटी की किताबों को पढ़ें। इसके लिए आप इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर क्लास 6 से लेकर 12 तक की किताबें मुफ्त में पीडीएफ के जरिए पढ़ सकते हैं।

ई-पाठशाला एक सरकारी प्लेटफॉर्म है। जहां पर आप यूपीएससी की तैयारी के लिए फ्री में अपनी किताबें प्राप्त कर सकते हैं। यहां पर एनसीआरटी की किताबें भी आपको फ्री में मिलेंगी। आप इन किताबों को ऑनलाइन पढ़ने के साथ डाउनलोड भी कर सकते हैं। ई-पाठशाला प्लेटफॉर्म पर आपको ऑडियो-विजुअल कंटेंट भी मिल जाएगा।



सरकारी लाइब्रेरी
यूपीएससी की तैयारी के लिए आप सरकारी लाइब्रेरी का भी लाभ उठा सकते हैं। आप अपने शहर की सरकारी लाइब्रेरी की मेंबरशिप ले लें। यहां सभी प्रकार की किताबें मिल जाएंगी।

अगर आप भी क़्ष की तैयारी कर रहे हैं, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर ऐसे कई ऑनलाइन ग्रुप्स बने हैं, जहां पर यूपीएससी के छात्र एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं और स्टडी मटेरियल एक-दूसरे से शेयर करते हैं। ऐसे में

आप आराम से प्रैक्टिस क्वेश्चन, वैल्यूएबल नोट्स और करंट अफेयर्स मटेरियल प्राप्त कर सकते हैं।

राज्य सरकारों और कई संगठन आर्थिक रूप से कमजोर स्ट्रुडेंट्स को फ्री कोचिंग की सुविधा प्रदान करते हैं।

अब आईटी और सीएस में अधिक अवसर

आज के समय में अच्छी नौकरी के लिए एमबीए को सबसे जरूरी माना जाता है। माना जाता है कि एमबीए करने के बाद करियर के रास्ते तेजी से खुलते हैं, सैलरी भी बढ़िया मिलती है और नौकरी की सभ्यवनाएं भी ज्यादा रहती हैं।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नौकरी देने वाली डिग्रियों की तस्वीर अब बदल रही है। एमबीए कई सालों तक टॉप पर रहा, वह अब पीछे खिसक गया है। उसकी जगह अब एक अलग ही फील्ड ने कब्जा जमा लिया है। यह फील्ड कंप्यूटर साइंस और आईटी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में युवाओं के लिए नौकरी के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, खासकर ऐसे सेक्टर्स में जिनका सीधा संबंध टेक्नोलॉजी और डिजिटल स्किल्स से है। आज , क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हो रहा है। कंपनियां चाहती हैं कि उनके पास ऐसे कर्मचारी हों जो नई टेक्नोलॉजी को समझते हों और बदलते समय के साथ खुद को अपडेट रख सकें। ऐसे में कंप्यूटर साइंस और आईटी ग्रेजुएट्स की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा नौकरी कंप्यूटर साइंस और आईटी वाले युवाओं को मिल रही है। इसका कारण कंपनियों में एआई और ऑटोमेशन का तेजी से बढ़ता उपयोग है, डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार, डेटा की बढ़ती जरूरत, साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने पर जोर है। कंपनियां ऐसे युवाओं को चाहती हैं जो सिर्फ कोडिंग ही नहीं बल्कि इंजीनियरिंग और डेटा हैंडलिंग दोनों में अच्छे हों यानी आज की दुनिया में टेक्निकल और एनालिटिकल स्किल रखने वालों की डिमांड सबसे ज्यादा है।

जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखें: सानवी तलवार



हाल ही में अभिनेत्री सानवी तलवार ने अपने जीवन के अनुभवों और सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की क्षमता में आए बदलाव पर खुलकर बात की। अपनी हॉरर-थ्रिलर फिल्म खामोश आहटें को लेकर चर्चाओं में रहने वाली अभिनेत्री ने बताया कि अब वे पहले के मुकाबले अपनी राय रखने में कहीं अधिक सहज महसूस करती हैं। सानवी ने कहा कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले वह केवल सीमित लोगों से बात करती थीं, लेकिन अब उन्हें समझ आया है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचती है, तो उसका मूल अर्थ बदल सकता है। सानवी का मानना है कि आज वह खुलकर अपनी बात रखने में इसलिए सहज हैं, क्योंकि यह उनका अपना फैसला है और उन्हें अब इस बात की परवाह नहीं कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। उनके अनुसार, अगर उन्हें लगता है कि कोई बात सही है, तो उसके बारे में बोलना बेहद जरूरी है। दरअसल, सानवी तलवार ने एक पुराने इंटरव्यू के दौरान अभिनेता करण कुंद्रा पर आरोप लगाया था। उन्होंने बताया था कि 2015 के टीवी शो ये कहां आ गए हम के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया था। इसके जवाब में सानवी ने करण को थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें भी जोरदार थपड़ मारा और गाली गलौची की थी। इस घटना को इतनी देर बाद सार्वजनिक करने को लेकर उठे सवालों पर सानवी ने उन महिलाओं को संबोधित किया जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं। उन्होंने हर महिला से आग्रह किया कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय नहीं बोल पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। सानवी ने बताया कि उनकी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की पूर्व गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी, और जब वह सेट पर आईं, तो उनकी मौजूदगी ने उन्हें काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।

एयरपोर्ट पर रवीना और दिशा का हुआ मिलन, वीडियो हो रहा तेजी से वायरल
बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन एक बार फिर अपने पशु प्रेम के कारण चर्चा में हैं। दरअसल, हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर जब उनकी मुलाकात अभिनेत्री दिशा पाटनी से हुई, तो रवीना ने दिशा को अपने पालतू डॉगी से मिलवाया। दोनों अभिनेत्रियों का यह दिल छू लेने वाला वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रवीना टंडन अपने पालतू डॉगी के साथ एयरपोर्ट पर नजर आती हैं। इसी दौरान वहां से गुजर रही दिशा पाटनी से उनकी मुलाकात होती है। रवीना मुस्कुराते हुए अपने डॉगी को दिशा से मिलवाती हैं, और दिशा भी बड़े प्यार से डॉगी को सहलाती हैं तथा उसके साथ कुछ पल बिताती हैं। इस दौरान दोनों अभिनेत्रियां आपस में बातचीत करती हुई भी दिखाई देती हैं, जिससे उनके बीच की सहजता साफ झलकती है। दोनों अभिनेत्रियों ने एयरपोर्ट पर बेहद साधारण और आरामदायक लुक अपनाया था। रवीना टंडन एक स्टाइलिश ब्लैक कलर के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जबकि दिशा पाटनी ने स्लीवलेस ब्लैक टॉप के साथ मैचिंग ट्राउजर पहना था, जो उनके कैजुअल लेकिन चिक अंदाज को दर्शाता है। बता दें कि रवीना टंडन लंबे समय से पशु प्रेम के लिए सक्रिय रूप से काम करती रही हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इस विषय पर जागरूकता बढ़ाती हैं। कुछ समय पहले, रवीना ने अपने प्रशंसकों के साथ एक घटना साझा की थी, जब उन्होंने एयरपोर्ट पर मिले एक लावारिस पिल्ले को बचाया था, जिसका नाम उन्होंने भैरव रखा। इतना ही नहीं, उन्होंने उस पिल्ले के लिए एक सुरक्षित और स्थायी घर भी ढूंढा। इस पूरे प्रेक्च्यू मिशन की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी, जिससे लोगों को जानवरों की मदद करने के लिए प्रेरणा मिली।



कृति ने कभी नहीं सोचा था अभिनेत्री बनने के बारे में
बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी खूबसूरती, दमदार अभिनय और बिचिन किरदारों के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। अभिनेत्री के इस सफर की शुरुआत किसी बड़े फिल्मी स्टूडियो से नहीं, बल्कि घर के एक साधारण फोटोशूट से हुई थी। उनकी बहन नूपुर सेनन ने जब कैमरे से कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यही तस्वीरें आगे चलकर उनके बड़े सपनों की पहली सीढ़ी बनेंगी। कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ था। उनके पिता राहुल सेनन एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और उसके बाद नोएडा के एक इंस्टीट्यूट से बीटेक की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दिनों तक कृति ने कभी अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था; वह पढ़ाई में हमेशा काफी अच्छी थीं। अपनी लंबी हाइट और आत्मविश्वास देखकर उनके दोस्तों ने उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। शुरुआत में कृति को यह बात अजीब लगी, क्योंकि उन्होंने कभी कैमरे के सामने आने की कल्पना नहीं की थी। फिर भी, उन्होंने एक बार किस्मत आजमाने का फैसला किया। इसमें उनकी बहन नूपुर ने उनका पूरा साथ दिया। कृति के पास कोई पेशेवर पोर्टफोलियो नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी बहन से कुछ तस्वीरें खींचने का अनुरोध किया। नूपुर ने घर पर ही कृति की कुछ तस्वीरें क्लिक कीं, जिन्हें कृति ने एक ऑनलाइन मॉडलिंग कॉन्टेस्ट के लिए भेज दिया। किस्मत ने साथ दिया और वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। इस जीत के बाद उन्हें मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रलानी के साथ एक पेशेवर पोर्टफोलियो शूट करने का मौका मिला, जिसने उनके मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। मॉडलिंग के बाद कृति ने फिल्मों की ओर रुख किया और साल 2014 में तेलुगु फिल्म 1: नेनोक्काडाइन से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आईं। उसी साल, उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू का पुरस्कार मिला। इसके बाद कृति ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया। वह शाहरुख खान और करण धवन के साथ दिलवाले, आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के साथ बरेली की बर्फी, कार्तिक आर्यन के साथ लुका छुपी और अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 4 जैसी सफल फिल्मों में नजर आईं। बरेली की बर्फी में उनके छोटे शहर की लड़की वाले किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। कृति के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2021 में आई फिल्म मिमी रही, जिसमें उन्होंने सरोगेट मां का दमदार किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने अपना वजन भी बढ़ाया और खुद को पूरी तरह किरदार में डबा। उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई और उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला, साथ ही उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता। इसके बाद कृति ने लगातार अलग-अलग तरह के किरदार चुने और भेड़िया, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, कू और दो पत्नी जैसी फिल्मों में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया।

पाजुता के साथ काम करना बेहद शानदार: मिहिर आहुजा